बी0ए0 प्रथम वर्ष

विषय– अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र– प्रथम प्रश्न पत्र

''सूक्ष्म अर्थशास्त्र'' Micro Economics

''लघु उत्तरीय प्रश्न''

1. क्या अर्थशास्त्र एक कला है ? स्पष्ट कीजिए।
2. अर्थशास्त्र की सीमाएँ बताइये ?
3. निगमन प्रणाली से आप क्या समझते हैं ?
4. मॉग की लोच से क्या आशय है ?
5. पूर्ति को प्रभावित करने वाले तत्वों का उल्लेख कीजिए।
6. प्रयोग मूल्य एवं विनिमय मूल्य के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।
7. उदासीनता वक्र तथा उदासीनता अनुसूची को स्पष्ट करें।
8. कीमत प्रभाव से आप क्या समझते हैं ?
9. उत्पादन फलन की विशेषताएं बताइये।
10. औसत लागत तथा सीमान्त लागत का सम्बन्ध बताइये।
11. एकाधिकार से आप क्या समझते हैं ?
12. नकद मजदूरी तथा असल मजदूरी में क्या अन्तर है ?
13. आभास लगान किसे कहते हैं।
14. बाजार मूल्य तथा सामान्य मूल्य में क्या अन्तर है ?
15. अर्थशास्त्र विज्ञान है। स्पष्ट करें।
16. आगमन प्रणाली से आप क्या समझते हैं ?
17. चुनाव की समस्या के आधार बताइये।
18. मॉग का नियम क्या है ?
19. पूर्ति तथा कीमत में क्या सम्बन्ध है। समझाइये।
20. सीमान्त उपयोगिता क्या है?

''दीर्घ उत्तरीय प्रश्न''

1. समसीमान्त उपयोगिता नियम की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए एवं व्यावहारिक जीवन में इसके महत्व की पुष्टि कीजिए।
2. ब्याज के तरलता पसन्दगी सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
3. वितरण के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। इसे वितरण का सिद्धान्त भी कहा जाता है, स्पष्ट कीजिए।
4. उदासीनता वक्र विश्लेषण के अर्थ एवं मान्यताओं को समझाते हुए उदासीनता वक्र की सहायता से उपभोक्ता के सन्तुलन को स्पष्ट कीजिये।
5. एकाधिकार से आप क्या समझते है? एकाधिकार की दशा में कीमत किस प्रकार निर्धारित होती है। स्पष्ट कीजिए।
6. उपयोगिता की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए उपयोगिता ह्रास नियम तथा मॉग की लोच के बीच सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।
7. रिकार्डो के लगान सिद्धान्त लगान के आधुनिक सिद्धान्त से भिन्न है। अन्तर स्पष्ट कीजिए।
8. कीमत प्रभख, आय प्रभख तथा प्रतिस्थापन प्रभख से बना सम्बन्ध है।'' स्पष्ट कीजिए।
9. पूर्ण उपयोगिता का अर्थ व विशेषताएँ बताइये। इसका वास्तविक जीवन में कहॉ तक अस्तित्व है। स्पष्ट कीजिये।
10. पूर्ण उपयोगिता के अर्न्तगत एक फर्म के अल्पकालीन एवं दीर्घ कालीन साम्य (सन्तुलन) की चित्र सहित व्याख्या कीजिए।

बी0ए0 प्रथम वर्ष

विषय– अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

''भारतीय अर्थव्यवस्था'' Indian Economy

''लघु उत्तरीय प्रश्न''

1. मूल्य वृद्धि के क्या कारण है ? इसके कारणों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।
2. आर्थिक सुधार के क्या उद्देश्य हैं ?
3. भारत में ''स्त्री–पुरूष अनुपात'' के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
4. ''रेयतवाडी व्यवस्था'' क्या है ? संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
5. ब्रिटिश काल में ''मुक्त व्यापार नीति'' से आप क्या समझते हैं ?
6. भारत में शक्ति के गैर–परम्परागत साधनों को बताइये।
7. भारत में बेराजगारी के रूवरूप का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
8. भारत में आय की असमानता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
9. ''जन योजना'' के बारे में संक्षिप्त में बताइये।
10. योजना काल में कृषि विकास को बताइये।
11. ''भूमि सुधार'' से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
12. औद्योगीकरण क्या है ? व्याख्या कीजिए।
13. ''मानव विकास सूचकांक'' की व्याख्या कीजिए।
14. भारतीय अर्थ–व्यवस्था में वनों के महत्व का वर्णन कीजिए।
15. राष्ट्रीय आय का क्या महत्व है ? स्पष्ट कीजिए।
16. कृषि का वाणिज्यीकरण क्या है ?
17. प्रति व्यक्ति आय क्या है ?
18. ''हिल्टन यंग कमीशन'' क्या है।
19. ''पिछडी अर्थव्यवस्था'' से क्या तात्पर्य है ? इसकी विशेषताऍ बताइये।
20. भारत में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के मुख्य कारण क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

''दीर्घ उत्तरीय प्रश्न''

1. भारत में कृषि में हुए तकनीकी परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख लक्षणों की व्याख्या कीजिए।
3. भारत की पंचवर्षीय योजनाओं की अवधि में औद्योगिक विकास का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
   1. उत्तर प्रदेश का आर्थिक विकास।
   2. बुन्देलखण्ड क्षेत्र के अल्पविकसित होने के कारण।
5. भारतीय कृषि के पिछडेपन के कारणों पर प्रकाश डालिए। कृषि के आधुनिकी करण के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?
6. भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु एवं कुटीर उद्योगों के योगदान एवं महत्व का वर्णन कीजिए।
7. भारत में जनसंख्या के व्यावसायिक ढांचे की विवेचना कीजिए।
8. भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताऍ विस्तार से बताइये।
9. नियोजन क्या है ? भारत में नियोजन की उपलब्धियों एवं असफलता की विवेचना कीजिए।
10. कृषि वित का अर्थ एवं आवश्यकता की व्याख्या कीजिए तथा कृषि वित्त की समस्याऍ बताइये।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

विषय– अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र– प्रथम प्रश्न पत्र

''समष्टि अर्थशास्त्र'' Macro Economics

''लघु उत्तरीय प्रश्न''

1. समष्टिगत आर्थिक साम्य से क्या तात्पर्य है ?
2. राष्ट्रीय आय लेखा से क्या तात्पर्य है ?
3. सकल घरेलू उत्पाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
4. हरित राष्ट्रीय आय किसे कहते हैं।
5. सामाजिक लेखांकन विधि क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
6. अल्पकालीन एवं दीर्घ कालीन साम्य में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. राष्ट्रीय आय के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
8. चक्रीय आय प्रबाहों का महत्व लिखिए।
9. राष्ट्रीय आय लेखांकन की विशेषताएँ लिखिए।
10. सकल राष्ट्रीय उत्पाद क्या है ?
11. आय के चक्रीय प्रवाह की सीमाएं लिखिये।
12. उत्पादन विधि या मूल्य विधि किसे कहते हैं।
13. राष्ट्रीय आय किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
14. राष्ट्रीय आय के माप की व्यय विधि की प्रमुख सावधानियॉ क्या है ?
15. राष्ट्रीय आय का सन्तुलन स्तर क्या है ?
16. पूर्ण रोजगार से क्या तात्पर्य है ?
17. 'से' का बाजार नियम क्या है ?
18. वस्तु बाजार सन्तुलन किसे कहते हैं।
19. कीन्स के सिद्धान्त का महत्व स्पष्ट कीजिए।
20. आर्थिक कल्याण क्या है ?

''दीर्घ उत्तरीय प्रश्न''

1. 'से' के नियम की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। इसके क्या निहित तत्व हैं।
2. राष्ट्रीय आय के सन्तुलन से क्या आशय है। राष्ट्रीय आय के सन्तुलन पर कुल मॉग कुल पूर्ति के बराबर होते हैं। स्पष्ट कीजिए।
3. समष्टिगत अर्थशास्त्र का क्षेत्र, महत्व एवं प्रयोगों की विवेचना कीजिए।
4. उपभोग फलन का क्या अर्थ है ? उपभोग प्रवृत्ति को प्रभावित करने वाले तत्वों की विवेचना कीजिए।
5. कीन्स के रोजगार सिद्धान्त का तर्कपूर्ण प्रारम्भिक विन्दु प्रभख पूर्ण मॉग का सिद्धान्त है'' व्याख्या कीजिए।
6. राष्ट्रीय आय लेखांकन से आप क्या समझते हैं ? उनके विभिन्न अंगों की व्याख्या कीजिए।
7. व्यापार चक्र किसे कहते है, इसकी प्रमुख विशेषताएँ बताइये।
8. ''कीमत–मजदूरी लोचशीलता अर्थ व्यवस्था में पूर्ण रोजगार लाती है'' पीगू के मत की व्याख्या कीजिए।
9. स्पष्ट कीजिए की अर्थ व्यवस्था उस समय सन्तुलन में होती है, जब वस्तु बाजार और मुद्रा बाजार में एक साथ सन्तुलन होता है।
10. माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। यह सिद्धान्त विकासशील देशों में कहॉ तक लागू होता है।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

विषय– अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

'मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व''

''लघु उत्तरीय प्रश्न''

1. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका लिखिए।
2. पत्र मुद्रा मान क्या है।
3. केन्द्रीय बैंक से आशय स्पष्ट कीजिए।
4. मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त की उपयोगिकता क्या है ?
5. कैम्ब्रिज सिद्धान्त की विशेषताएँ लिखिए।
6. ग्रेशम के नियम का क्षेत्र लिखिए।
7. रिजर्व बैंक के परम्परागत कार्यों का वर्णन कीजिए।
8. कैम्ब्रिज दृष्टिकोंण का महत्व लिखिए।
9. राजस्व का अर्थ लिखिए।
10. मुद्रा कौन–2 से कार्य करती है।
11. मुद्रा के मूल्यों का क्या अर्थ है ?
12. राजस्व की प्रकृति यह विज्ञान है या कला ? स्पष्ट कीजिए।
13. भारत में सार्वजनिक व्यय का सिद्धान्त कहाँ तक लागू होता है।
14. बैंक दर से क्या आशय है ?
15. 'कर' से क्या अभिप्राय है ?
16. उत्तम मुद्रा कहाँ लुप्त हो जाती है ? स्पष्ट कीजिए।
17. राजस्व घाटा व पूँजी घाटा में क्या अन्तर है।
18. सार्वजनिक वित्त का क्या महत्व है ?
19. केन्द्रीय बैंक के कार्य लिखिए।
20. सार्वजनिक ऋण की परिभा दीजिए।

''दीर्घ उत्तरीय प्रश्न''

1. भारत के सामाजिक–आर्थिक विकास में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
2. ''मुद्रा वह धुरी हे जिसके चारों ओर अर्थ विज्ञान चक्कर लगाता है। व्याख्या कीजिए।
3. कर के विभिन्न विकल्पों की चर्चा कीजिए जिससे सरकारी व्यय को वित्तीय सहायता दी जा सकती है।
4. घाटे की वित्त व्यवस्था के सैद्धान्तिक द्रष्टिकोण की चर्चा कीजिए, इसकी सुरक्षित सीमा क्या है ?
5. मुद्रा परिमाण सिद्धान्त के कैम्ब्रिज समीकरण की विवेचना कीजिए। क्या यह फिशर समीकरण पर एक आधार है?
6. मुद्रा प्रसार तथा मुद्रा संकुचन में अन्तर स्पष्ट करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था पर इनके प्रभाव का अध्ययन कीजिए।
7. सार्वजनिक व्यय का उत्पादन तथा वितरण पर पडने वाले प्रभावों को बताइये।
8. केन्द्रीय बैंक से आप क्या समझते हैं ? यह देश में खास और मुद्रा पर किस प्रकार नियंत्रण रखता है ?
9. कर का क्या अभिप्राय है ? कर रोपण के आर्थिक प्रभावों की विवेचना कीजिए।
10. पत्र मुद्रा निर्गमन की विभिन्न पद्धतियों का वर्णन कीजिए। हमारे देश में कौन–कौन सी पद्धतियॉ अपनाई गई हैं।

बी0ए0 तृतीय वर्ष

विषय– अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र– प्रथम प्रश्न पत्र

'परिमाणात्मक पद्धतियॉ''

''लघु उत्तरीय प्रश्न''

1. सांख्यिकी का अर्थ बताइये।
2. प्राथमिक समंक और द्वितीयक समंक में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
3. एक अच्छी प्रश्नावली की विशेषताऍ बताइये।
4. माध्यिका क्या हे ? इसके दो लाभ बताइये।
5. माध्य क्या है ?
6. केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन के दो कार्य बताइये।
7. समंक कितने प्रकार के होते हैं ? बताइये।
8. निर्देशांक की उपयोगिता बताइये।
9. प्रतिदर्श अनुसंधान को समझाइये।
10. वर्गीकरण किसे कहते हैं।
11. सारणीयन क्या है ?
12. भारत में कृर्षि समंकों के प्रमुख स्रोत कौन–कौन से हैं ?
13. सूचकांक का अर्थ बताइये।
14. द्वितीयक समंकों के प्रयोग में क्या सावधानियॉ रखनी चाहिए।
15. दैव निदर्शन क्या है ?
16. अपकिरण से आप क्या समझते हैं ?
17. सांख्यिकी के कार्यों का वर्णन कीजिए।
18. प्राथमिक समंकों के संकलन की रीतियॉ लिखिए।
19. समान्तर माध्य की परिभाषा दीजिए।
20. सह–सम्बन्ध के महत्व को समझाइये।

''दीर्घ उत्तरीय प्रश्न''

1. भारत मे केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन की व्यवस्था और उसके कार्यों का वर्णन कीजिए।
2. प्राथमिक एंव द्वितीयक समंकों के विश्लेषण तथा निर्वचन करने के सम्बन्ध में सामग्री सम्पादन पर निबन्ध लिखिए।
3. एक मासिक परीक्षा में 10 विद्यार्थियों के द्वारा अर्थशास्त्र में प्राप्त निम्नांकित अंकों से समान्तर माध्य की गणना कीजिये।

   अनुक्रमांक– 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10

   प्राप्तांक– 30, 28, 32, 12, 18, 20, 25, 15, 26, 14
4. स्ह–सम्बन्ध का क्या अर्थ है ? धनात्मक तथा ऋणात्मक सह–सम्बन्ध में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. सांख्यिकी को परिभाषित करिये तथा इसकी प्रकृति एवं क्षेत्र की विवेचना कीजिए।
6. सांख्यिकीय अनुसंधान की कौन–कौन सी विधि है ? प्रत्येक के गुण दोषों पर प्रकाश डालते हुये संगठन रीति और निदर्शन रीति में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. निम्नलिखित ऑकडों से माध्य ज्ञात कीजिए।

   87, 112, 95, 77, 60, 31, 102, 85, 89
8. जनगणना क्या हे ? उसका महत्व क्या है ? 1991 की जनगणना की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
9. अपकिरण से आप क्या समझते हैं ? अपकिरण को मापने की विभिन्न रीतियों का वर्णन कीजिए।
10. वर्गीकरण की परिभाषा दीजिए। उपयुक्त उदाहरण देते हुए समंकों के वर्गीकरण के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

बी0ए0 तृतीय वर्ष

विषय– अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

'अर्न्तराष्ट्रीय अर्थशास्त्र''

''लघु उत्तरीय प्रश्न''

1. अर्न्तराष्ट्रीय अर्थशास्त्र का अर्थ बताइये।
2. अवसर लागत क्या है ?
3. तुलनात्मक लागत लाभ से आप क्या समझते है ?
4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से क्या अभिप्राय है ?
5. श्रम के मूल्य सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं ?
6. अवसर लागत सिद्धान्त के गुण लिखिए।
7. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के महत्व पर प्रकाश डालिए।
8. आंशिक विशिष्टीकरण से क्या तात्पर्य है ?
9. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त क्या है ?
10. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दो लाभ लिखिए।
11. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधुनिक सिद्धान्त मान्यताएं लिखिए।
12. व्यापार की शर्तों से क्या तात्पर्य है ?
13. अन्तर्क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विभेद कीजिए।
14. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र की परिभाषा और क्षेत्र लिखिए।
15. अनुकूल व प्रतिकूल व्यापार सन्तुलन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
16. स्वतन्त्र व्यापार का अर्थ लिखिए।
17. स्वतन्त्र व्यापार और संरक्षण को परिभाषित कीजिए।
18. तटकर अथवा प्रशुल्क का अर्थ लिखिए।
19. आयात अभ्यंश से क्या आशय है ?
20. व्यापार सन्तुलन का अर्थ लिखिए।

''दीर्घ उत्तरीय प्रश्न''

1. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र को परिभाषित कीजिए तथा इसके क्षेत्र व महत्व की विवेचना कीजिए।
2. घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अन्तर बताइये अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की आवश्यकता क्यों है? इसके गुण पर प्रकाश डालिए।
3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रतिष्ठित सिद्धान्त–एडम स्मिथ का निरपेक्ष लाभ का सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अवसर लागत सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। प्रो0 हैबरलर ने इसकी किस प्रकार समीक्षा की है? प्रकाश डालिए।
5. हैक्शर–ओहलिन का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त रिकार्डो के सिद्धान्त से किस प्रकार श्रेष्ठ है? स्पष्ट कीजिए।
6. व्यापार की शर्तों का अर्थ बताइये । इन तथ्यों का विवरण दीजिए जो इसके निर्धारण को प्रभावित करते हैं।
7. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ की प्रकृति समझाइये। वे कौन से कारण हैं जो इन लाभों को प्रभावित करते हैं।
8. स्वतंत्र व्यापार से आप क्या समझते हैं? इसके पक्ष और विपक्ष में कौन से तर्क दिये जा सकते हैं? स्पष्ट कीजिए।
9. प्रशुल्क (तटकर) से क्या अभिप्राय है? अनुकूलतम प्रशुल्क किसे कहते हैं? सीमा शुल्क के महत्व पर प्रकाश डालिए।
10. आयात अभ्यंश से क्या अभिप्राय है? आयात अभ्यंश के महत्वपूर्ण प्रकारों का वर्णन कीजिए। इसके क्या प्रभाव हैं वर्णन कीजिए।

बी0ए0 तृतीय वर्ष

विषय– अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र– तृतीय प्रश्न पत्र

'आर्थिक विचारों का इतिहास''

''लघु उत्तरीय प्रश्न''

1. वाणिज्यवाद से क्या आशय है?
2. 'प्रकृतिवाद का उदय' पर प्रकाश डालिए।
3. प्राकृतिक व्यवस्था से क्या अभिप्राय है।
4. स्मिथ का आशयवाद क्या है?
5. माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त स्पष्ट कीजिए।
6. रिकार्डो का मूल्य सिद्धान्त क्या है?
7. सिसमॉण्डी द्वारा प्रतिपादित अर्थशास्त्र की परिभाषा दीजिए।
8. आय के सकेन्द्रण के क्या परिणाम होते हैं?
9. सेन्ट–साइमन वादियों के आर्थिक विचार क्या हैं?
10. फ्रेडरिक लिस्ट पर किन बातों का प्रभाव पडा था।
11. स्मिथ का पूँजी का सिद्धान्त क्या है?
12. वाणिज्यवाद को जन्म देने वाले प्रमुख कारण क्या है?
13. मर्क्सवाद क्या है?
14. गॉधी जी के आर्थिक विचार बताइये।
15. नेहरू जी के समाजवाद का अर्थ क्या था?
16. आर्थिक स्वतन्त्रता के सम्बन्ध में स्मिथ के क्या विचार थे?
17. गॉधी जी का न्यास धारिता सिद्धान्त क्या है?
18. गॉधी जी का खादी का अर्थशास्त्र क्या है?
19. वाणिज्यवाद के पतन के कारण लिखिए।
20. नव माल्थसवादी कौन है?

''दीर्घ उत्तरीय प्रश्न''

1. वाणिज्यवाद से आप क्या समझते हैं? इसे जन्म देने वाली तथा पतन लाने वाली परिस्थितियों की व्याख्या कीजिए।
2. प्रकृतिवाद को जन्म देने वाली शक्तियों तथा आर्थिक विचारधारा के क्षेत्र में इसके योगदान की विवेचना कीजिए।
3. आर्थिक विचारों में एडमस्मिथ के योगदान की विवेचना कीजिए और समझाइये की उसको राजनीतिक अर्थव्यवस्था का जन्मदाता क्यों कहा जाता है?
4. माल्थस के आर्थिक विचारों का वर्णन कीजिए। माल्थस के अनुसार अतिउत्पादन तथा लगान क्या है?
5. सिस मॉण्डी के आर्थिक विचारों की व्याख्या कीजिए। सिस मॉण्डी ने परम्परावादियों की पद्धति उद्देय तथा व्यवहारिक निष्कर्षों को किस प्रकार से अस्वीकार किया है। स्पष्ट कीजिए।
6. महात्मा गॉधी जी के आर्थिक विचारों की समीक्षा कीजिए। वर्तमान भारतीय परिस्थतियों में आप उनके विचारों से कहॉ तक सहमत हैं।
7. नेहरूवाद, मार्क्सवाद और गॉधीवाद का विवेकपूर्ण सम्मिश्रण है। इस कथन पर टिप्पणी करते हुये नेहरू के प्रमुख आर्थिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।
8. जॉन स्टुअर्डमिल की आर्थिक विचारों के इतिहास में क्या देन है। स्पष्ट कीजिए।
9. एडमस्मिथ के प्रकृतिवाद एवं आशावाद के समाविष्ट विचारों का उल्लेख कीजिए।
10. सेन्ट–साइमन के आर्थिक विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। सेन्ट–साइमन ने समाजवाद को किस प्रकार प्रभावित किया । स्पष्ट कीजिए।